

निरीशियेटिव कमेटी ने जो 27-10-70 को वेतन-मान निर्धारित किया था, बोकारो स्टील सिटी के मैनेजमेंट ने एम० ई० एण्ड ई० प्रो० टी० आर्परेटर्स को वह स्केल नहीं दिया। इस से पहले भी वहां पर मजदूरों ने इस के लिए 1973 में हड़ताल की थी और दोनों पक्षों ने बिहार की लेबर मिनिस्टर श्रीमती राम दुलारी सिन्हा को आर्बीट्रेटर माना था और श्रीमती राम दुलारी सिन्हा के प्राप्तामन पर वहां के मजदूरों ने 7-11-73 को हड़ताल वापस ले ली थी। उस के बाद लेबर मिनिस्टर ने आर्बीट्रेटर के रूप में वहां के मजदूरों के वेतन-मान के लिए जो एवार्ड दिया था, उस को भी बोकारो स्टील सिटी ने नहीं माना और जो मजदूर हड़ताल पर थे उन को विक्रि-माइज न करने की जो बात प्रन्तरिम एवार्ड में थी, उस को भी वायलेट किया गया। फाइनल एवार्ड में जो वेतन-मान मजदूरों को दिया गया था, उस के न देने पर मजदूरों ने स्ट्राइक का नोटिस दिया और अब मजदूर 27 फरवरी में स्ट्राइक पर है। मैंने पहले ही आप को फीगर्स दिये हैं कि देश का बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है क्योंकि उत्पादन बहुत कम हो रहा है। इसलिए मैं अपील करता हूँ कि सल या स्टील मिनिस्ट्री इस मामले में जल्दी से जल्दी इण्टरवीन करे ताकि जो बाकी ब्लास्ट फरनेस है और जो कि बन्द होने वाला है, वह बन्द न हो और इस का बुरा असर जो पड़ने वाला है, वह न पड़े।

SPRI VASANT SATHE (Akola): On a point of order. I have been drawing your attention repeatedly. It is such an important matter and are we going to make a mockery of 377?

MR. SPEAKER: Please resume your seat. There are few others.

SHRI VASANT SATHE: I ask you: please at least ask the Ministers to be present.

Formerly, the practice was that the Minister for Parliamentary Affairs would convey....

13.00 hrs.

MR. SPEAKER: We are conveying it.

SHRI VASANT SATHE: Is it a formality?

MR. SPEAKER: No, no. It is not a formality.

SHRI VASANT SATHE: The practice also was that the Minister concerned would take some action in some cases at least and inform the House. We invite the attention of the House. A matter raised under Rule 377 becomes the property of the House. The Ministers do not take any notes. Have they come back with any reply to any matter raised under Rule 377 since the beginning of the session?

SHRI PURNA SINHA (Tezpur): If the Ministers do not give a reply, what is the use of raising a matter under Rule 377?

MR. SPEAKER: They have been asked to reply to the Members concerned. They have not been asked to make a statement before the House, but to give a reply to the Member concerned.

(iii) REPORTED ARREST OF SUGARCANE GROWERS AT BOAT CLUB, NEW DELHI

श्री चन्द्रशेखर सिंह (वाराणसी) : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत बोट क्लब पर 35 गन्ना किसानों की निरपेक्षता की और सरकार का ध्यान खींचना चाहता हूँ। सरकार की गलत गन्ना नीति थी और उसको समय पर गन्ने की पैदावार की सही जानकारी नहीं थी, जिसके फलस्वरूप किसानों को मजदूरन पांच रुपये क्विंटल गन्ना बेचना पड़ रहा है।

MR. SPEAKER: You cannot mix up one with the other. You are allowed to make only one statement. You cannot mix sugar cane and the kisans' arrest together.

श्री चन्द्रशेखर सिंह : केवल गन्ना बोल रहा हूँ, मूगरकेन नहीं बोल रहा हूँ। किसान को प्राज्ञ गन्ना पांच रुपये विबटल बेचना पड़ रहा है। गन्ने की फसल इस साल अच्छी हो रही है, इसकी जानकारी पहले ही हो जानी चाहिए थी ताकि उसकी खरीद का सही इतजाम हो सकता।

MR. SPEAKER: The difficulty is, according to your statement you wanted to raise the matter regarding the arrest of 35 kisans, who were protesting against the sugarcane policy of the Government ..

श्री चन्द्रशेखर सिंह : उसी के बारे में कह रहा हूँ। अगर इसका भन्दाबा सरकार को पहले हो जाता तो किसान को कम दाम पर गन्ना नहीं बेचना पड़ता। बीनी मिल मालिक किसानों की अत्यधिक पैदावार होने और गर्मी सीजन पास होने का नाजायज फायदा उठा रहे हैं जब कि गन्ने का रस मोटा और वजन कम हो गया है। इसके फलस्वरूप मिल मालिक गन्ने की अत्यधिक पैदावार होने के कारण किसान को अन्यायिक दाम दे कर उनका गन्ना ले रहे हैं। गन्ना की बहुत सी फसल सूख गई है। इसके लिए जब प्राप्त के किसान विरोध कर रहे थे तब वोट क्लब पर 35 की संख्या में किसानों को गिरफ्तार किया गया। मेरी मांग है कि उनको छोड़ा जाए और गन्ने का दाम जितने भाने मन गन्ना, उतने रुपये मन बीनी के आध्वार पर किसानों को दिया जाए।

(i) REPORTED LANDING OF AN UNKNOWN HELICOPTER IN KUTCH DISTRICT OF GUJARAT.

श्री मनसू बबे (कच्छ) : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से, एक बहुत

महत्वपूर्ण सवाल पर बोल रहा हूँ। 24 फरवरी, 1978 की घाम को पांच बजे, गुजरात राज्य के कच्छ डिस्ट्रिक्ट में— जो कि एक बोर्डर डिस्ट्रिक्ट है,—एक अननोन हेलीकोप्टर प्राया और वहाँ लेण्ड किया। उस हेलीकोप्टर ने वहाँ कई चित्र उतारे, जो वे खीचे और वहाँ के मेजरमेंट लिये। प्राप्तपास में जो मजदूर काम करते हैं, वे वहाँ गये और उन सब बातों को उन्होंने देखा। उन्होंने पुलिस और कस्टम अधिकारियों को इसकी खबर दी लेकिन जब तक उसके लोग वहाँ प्राये, हेलीकोप्टर वहाँ से चला गया। हेलीकोप्टर पर ताइवान लिखा हुआ था। दम-पन्द्रह लोग उसके अन्दर बैठे थे और वे सब इतिलश बोल रहे थे। जो लोग वहाँ थे, उन सब ने इसको देखा है और यह बात न्यूज पेपर्स में भी प्रायी है।

मैं यह बात कालिग प्रटेेशन टारा आपके सामने रखना चाहता था लेकिन आपके और से इसकी इजाजत नहीं मिली। मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि इस पर ध्यान दिया जाए। कच्छ जिला बोर्डर टेरीटरी है। उन बोर्डर डिस्ट्रिक्ट में यह बहुत भयकर प्रवृत्ति चल रही है। वहाँ एक पब्लिक स्थान नारायण सरोवर है। वहाँ बहुत से लोग म्रते हैं। वहाँ पर युद्ध हुआ था। नारायण सरोवर स्थान पर युद्ध हुआ था। इसलिए मैं इस बात पर सरकार का ध्यान खीचना चाहता हूँ और प्रार्थना करना चाहता हूँ कि कृपया इसका जबाब इस सदन में भ्राना चाहिए और सब को मालूम होना चाहिए।

PROF. P. G. MAVALANKAR: It is a very serious matter. You kindly ask the Minister to make a statement.

MR. SPEAKER: Mr. Shyamnandan Mishra.

(v) CHANGES MADE IN WARRANT OF PRECEDENCE.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusara): Sir, under Rule 377, I